जनवरी मास में हम यही पुरुषार्थ करेंगे जिन बातों के लिए बाबा ने 25.12.14 की मुरली में हम से बार-बार हाथ उठवाकर वायदे पक्के करवाये। रोज अमृतवेले, दिन में, रात को सोते समय बापदादा से किये वायदे दोहरायेंगे और उन्हें पूरा करेंगे ही।

शिवभगवानुवाच :- अटेन्शन प्लीज (कृपया ध्यान दीजिए) :- नये वर्ष के आरम्भ में हर बच्चे ने मन्सा-वाचा-सम्पर्क में अपने में अवश्य कोई नवीनता का लक्ष्य रखकर प्रैक्टिकल में वर्ष की नवीनता बुद्धि में रखी होगी, पुरुषार्थ में कदम को, विशेषता को अपनी बुद्धि में लाया होगा।

सदा याद रहे :- इन वायदों के लिए बार-बार भगवान के सामने, ब्राह्मणों की सभा के बीच, देवकुल की महान आत्माओं के सामने, बेहद के डायमण्ड हाल में बड़ी खुशी-खुशी से उठाये थे हाथ....और हमने बार-बार हाथ उठाकर भगवान को आश्वासन दिया है, उनसे वायदा किया है कि हां बाबा हम आपकी श्रीमत का स्वरूप बनकर ही रहेंगे।

-: इन वायदों के लिए उठाये थे हाथ :-

पहला हाथ :- आगे बढ़ने का श्रेष्ठ संकल्प अपने प्रति किया, तो उठाओ हाथ।

दूसरा हाथ:- मन्सा-वाचा-कर्मणा, सम्बन्ध-सम्पर्क में कदम को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा, वह हाथ उठाओ।

तीसरा हाथ :- प्लैन और प्रैक्टिकल, उस लक्ष्य को अवश्य पूर्ण करेंगे, इसमें हाथ उठाओ।

चौथा हाथ :- सभी ठीक हैं, हाथ उठाओ। हाथ उठाया तो उनको आगे के लिए शक्ति मिलेगी।

पांचवा हाथ :- हर बात में पास, पास, पास। सोचेंगे, देखेंगे नहीं, पास होकर दिखायेंगे, वह हाथ उठाओ।

छठा हाथ :- अभी से परिवर्तन होना है, अपने को परिवर्तन करना है वह हाथ उठाओ।

सातवां हाथ :- हमेशा रात्रि को बापदादा को सामने इमर्ज कर अपनी रिजल्ट देकर बापदादा को खुश कर देना कि कोई गलती नहीं हुई। न मन्सा, न वाचा, न कर्मणा - इसमें हाथ उठाओ।

आठवां हाथ :- किसी भी कारण से अपने सम्पूर्णता की सीट नहीं छोडेंगे। वह हाथ उठाओ।

नौवां हाथ :- जिसने नहीं उठाया लेकिन उमंग-उत्साह है, हाथ उठाके करके दिखायेंगे वह हाथ उठाओ। इतने संगठन के बीच हाथ उठाया, यह कोई कम बात है क्या!

दसवां हाथ :- बापदादा और इतने भाई-बहन आपको देख खुश हुए, खुशी कभी नहीं गंवाना, भले कलियुग का अन्त है, सदा खुश रहेंगे, इसमें दो-दो हाथ उठाओ।

ग्यारवां हाथ :- रोज रात को इमर्ज करना यह सभा और अपना हाथ, मैनें बाप के आगे क्या हाथ उठाया?

बाहरवां हाथ :- जब भी कोई परिस्थिति आये तब अपना हाथ याद करना, मदद मिलेगी। ऐसे ही नहीं, इतने सारे भाई बहनों के बीच में आपने अपने दिल से प्रामिस किया तो वह मदद मिलेगी। हिम्मत को पानी देते रहो।

तेहरवां हाथ :- जब फिर बापदादा मिले तब तक ऐसा ही हाथ रहेगा, इसमें दो-दो हाथ उठाओ। हाथ उठाने से आपको यह हाथ उठाना भी मदद करेगा।

इन बातों का भी रखना ध्यान :- सरकमस्टांश लक्ष्य को थोड़ा भी ढीला न कर दे। लक्ष्य और लक्षण साथ-साथ बढ़ता रहे। तीव्र पुरुषार्थ साधारणता में न बदल जाए। बातें आती हैं लेकिन अटेन्शन अविनाशी रहे। बीच-बीच में कोई बात अपने तरफ आकर्षित न कर ले। अलबेलेपन के संग का रंग न लग जाए।

चैकिंग की भी चैकिंग होती रहे। कामकाज में थकने के बाद थकावट अपनी तरफ न खींच ले।

माया अपना चांस न ले ले। छोटी-छोटी बातें भी रूकावट न डालें।

एक नम्बर की कमी से भी बहुत नुकसान हो जाता है, इसलिए हर सब्जेक्ट में अटेन्शन पूरा रहे।